मूल्य 1 रु.
वर्षः 11 - अंक : 36, मुंबई, बुधवार, 17 मार्च, 2021 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक
मुंबई हलचल
भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त R
अब हर सच होगा उजागर

उत्तर से दक्षिण तक उपचुनावों का ऐलान

14 विधानसभा और 2 लोकसभा सीटों पर 17 अप्रैल को वोटिंग, नतीजे 15 दिन बाद 2 मई को, इनमें राजस्थान की 3 और एमपी की एक सीट

संवाददाता

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने 12 राज्यों में 14 विधासनभा सीटों पर उपचुनाव का ऐलान कर दिया है। इनके साथ ही कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में लोकसभा की एक-एक सीट पर भी चुनाव होंगे। सभी जगह 17 अप्रैल को वोटिंग होगी और 15 दिन बाद 2 मई को नतीजे आएंगे।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

बंगाल का सियासी घमासान

ममता का बड़ा आरोप

चुनाव आयोग ने मेरे सिक्योरिटी डायरेक्टर को हटाया, क्या भाजपा मुझे मारने की साजिश रच रही?

ममता बोलीं- जो हमसे टकराएगा चूर-चूर हो जाएगा

संवाददाता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष ममता बनर्जी ने मंगलवार को बांकुरा में चुनावी सभा को संबोधित किया। उन्होंने गृह मंत्री अमित शाह पर आरोप लगाते हुए कहा कि गृह मंत्री देश चलाएंगे या यह तय करेंगे कि किसे मारना है और किसे गिरफ्तार करना है? या फिर वे यह तय करेंगे कि कौन सी एजेंसी किसके पीछे लगानी है? चुनाव आयोग को कौन चला रहा है? मुझे उम्मीद है कि इन सबके पीछे आप (शाह) नहीं हैं।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

एंटीलिया केस में एनआईए का एक्शन

जांच एजेंसी ने सचिन वझे के ऑफिस पर मारा छापा

मोबाइल फोन, आईपैड और मर्सिडीज कार की जब्त

संवाददाता

मुंबई। मुकेश अंबानी के घर एंटीलिया के बाहर से जिलेटिन से भरी स्कॉर्पियो की बरामदगी के मामले में क्राइम इंटेलीजेंस यूनिट (सीआईयू) के पूर्व चीफ सचिन वझे के ऑफिस पर एनआईए की टीम ने छापेमारी की। सोमवार रात 8 बजे से मंगलवार तड़के 4 बजे तक जांच की जाती रही। इस दौरान एनआईए ने वझे का मोबाइल और आई पैड और मर्सिडीज कार जब्त कर ली। एनआईए के सूत्रों के मुताबिक, वझे ने मनसुख हीरेन से 17 फरवरी को इसी कार में मीटिंग की थी।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

मुंबईः वायुसेना की बस हुई दुर्घटनाग्रस्त, पांच घायल

संवाददाता / मुंबई। शहर के विक्रोली इलाके में मंगलवार दोपहर को वायुसेना की एक बस के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से पांच यात्री घायल हो गये। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि जब ड्राइवर ने बस में किसी तकनीकी गड़बड़ी के चलते अचानक ब्रेक लगा दी तब यह घटना घटी।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

मंगल की ध्वनियां

बैंकों की हड़ताल पहले ही दिन चुभती हुई लगी। आखिर ऐसी नौबत क्यों आई? करीब दस लाख बैंककर्मियों की हड़ताल साफ तौर पर संकेत है कि बैंकों के निजीकरण की राह आसान नहीं है। पीएसयू बैंक संघ की हड़ताल के पहले ही दिन देश भर में बैंकिंग सेवाओं जैसे नकद निकासी, जमा, चेक और व्यापारिक लेन-देन पर असर पड़ा है। यूएफबीयू, नौ श्रमिक संघों का मिला-जुला मंच है, जिसने पिछले महीने ही 15 और 16 मार्च को हड़ताल का आह्वान कर दिया था। उन्हें मनाने की कोई ठोस कोशिश नजर नहीं आई, तो इससे निजीकरण के प्रति सरकार की दृढ़ता का पता चलता है। बैंककर्मियों को मनाने के लिए हुई तीन बैठकें बेनतीजा रही हैं। आज भी अगर बैंकों की हड़ताल जारी रही और कामकाज प्रभावित हुआ, तो सरकार को गंभीर होना पड़ेगा। आज देश जिस मोड़ पर है, वहां किसी भी तरह की हड़ताल अर्थव्यवस्था के लिए दुखदाई है। पिछले महीने पेश किए गए केंद्रीय बजट में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सरकार की विनिवेश योजना के तहत सार्वजनिक क्षेत्र के दो बैंकों के निजीकरण की घोषणा की थी। उसके बाद से ही बैंककर्मियों में हलचल है। ज्यादातर बैंक कर्मचारियों को लगता है कि अगर वे आज चुप रहे, तो कल उनके बैंकों का भी निजीकरण होगा। बैंक कर्मचारियों का कहना है कि सरकार की नीतियों का अर्थव्यवस्था पर बुरा असर पड़ने वाला है। देश में अनेक जगह कर्मचारियों ने विरोध प्रदर्शन भी किए हैं। एक बड़ा खतरा यह भी है कि मांग न माने जाने की स्थिति में बैंककर्मी अनिश्चितकालीन हड़ताल के बारे में भी सोच रहे हैं। यह हड़ताल या आंदोलन किसान आंदोलन की तर्ज पर चलाने की चर्चा है। बैंककर्मी अपने ग्राहकों को भी यह बताना चाहते हैं कि बैंकों के निजीकरण की कोशिश कैसे सेवाओं को प्रभावित करेगी। बैंककर्मी अपनी मांग को लेकर गंभीर नजर आ रहे हैं और यह शासन-प्रशासन के लिए चिंता की वजह बने, तो ही सार है। उनकी मांग है कि सरकार निजीकरण की घोषणा वापस ले। अब सरकार के लिए सोचने वाली बात है कि हड़ताल या आंदोलन का मोर्चा खुल रहा है। यह एक ऐसा महत्वपूर्ण मोर्चा है, जहां समस्याएं बढ़ीं, तो अर्थव्यवस्था के लिए बहुत मुश्किलें खड़ी हो जाएंगी। यह विवाद इतना सहज नहीं है, जितना लगता है। देश में विरोध का हक सबको है, लेकिन सरकारी बैंकों की हड़ताल से किसे फायदा होगा, यह भी बैंककर्मियों के संगठनों को सोचना चाहिए। लंबी हड़ताल सरकारी बैंकों के व्यवसाय पर असर डालेगी और ग्राहकों को निजी बैंकों की ओर जाने के लिए मजबूर करेगी। बैंकों को अपनी बात रखते हुए यह ध्यान रखना चाहिए कि जरूरतमंद ग्राहकों को ज्यादा परेशानी न हो। ग्राहक ही किसी बैंक को मजबूत करते हैं, लेकिन ऐसी हड़ताल से ग्राहकों को ही सबसे ज्यादा परेशानी होती है। इसके साथ ही, सरकार को बैंककर्मियों का विश्वास जीतना चाहिए। निजीकरण से बचना आसान नहीं है, लेकिन अगर कर्मचारियों को विश्वास दिला दिया जाए कि निजीकरण से उनके हित प्रभावित नहीं होंगे, तो वे मान जाएंगे। क्या यह संभव है?

क्वाड नहीं है सॉफ्ट डिप्लोमेसी का मंच

क्वाड्रिलैटरल सिक्योरिटी डायलॉग यानी क्वाड के नेताओं की पहली बैठक में कई चकित करने वाली बातें हुईं। इसमें शामिल चार देशों के नेताओं की यह पहली बैठक थी और ऐसा लग रहा था कि इस बैठक में कोविड-19 के बाद की हिंद-प्रशांत क्षेत्र की भू-राजनीतिक और सामरिक स्थितियों पर इसमें गंभीरता से बात होगी। कोई ठोस और सुविचारित योजना इस बात को लेकर बनेगी कि चीन की विस्तारवादी नीतियों को कैसे नियंत्रित किया जाएगा। लेकिन हैरान करने वाली बात है कि क्वाड की बैठक के बाद जो साझा बयान जारी हुआ उसमें बहुत स्पष्ट रूप से कुछ नहीं कहा गया। इससे पहले क्वाड के चार देशों- भारत, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान के विदेश मंत्रियों की बैठक हुई थी तो साझा बयान जारी नहीं हुआ था। इस लिहाज से अच्छा है कि जब चारों देशों के शासनाध्यक्ष मिले तो साझा बयान जारी हुआ। पर असली सवाल यह है कि उस साझा बयान में क्या कहा गया और जो कहा गया उस पर कैसे अमल होगा?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन, जापान के प्रधानमंत्री योशीहिडे सुगा और ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरीसन की वार्ता के बाद जो साझा बयान जारी हुआ उसमें हिंद-प्रशांत में शांति और सुरक्षा की बात कही गई, अंतरराष्ट्रीय कानूनों पर आधारित व्यवस्था की बात कही गई, बिना डर और चिंता के मुक्त व शांतिपूर्ण माहौल की बात कही गई और यह भी कहा गया कि हिंद-प्रशांत और उससे आगे भी हर तरह के खतरे से निपटने में क्वाड के देश साथ रहेंगे। साझा बयान में चीन का नाम नहीं लिया गया, लेकिन सबको पता है कि हिंद-प्रशांत में कौन दादागिरी कर रहा है और इस क्षेत्र को किससे खतरा है। इसलिए चीन का नाम नहीं लिया जाना कोई बात नहीं है, पर सवाल है कि हिंद-प्रशांत में शांति, सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय कानूनों पर आधारित व्यवस्था बनाने के लिए क्वाड के देश किस तरह से काम करेंगे? क्या इसके लिए क्वाड के देश कोई सैन्य गठजोड़ करने वाले हैं? क्वाड की वार्ता में सैन्य गठजोड़ को लेकर कोई बात नहीं हुई है और न इसकी कोई रूप-रेखा बनी है। अब तक सैन्य

गठजोड़ के लिहाज से सिर्फ इतना होता रहा है कि भारत, अमेरिका और जापान की नौसेना हिंद-प्रशांत में मालाबार नौसैनिक अभ्यास करती रही हैं। पिछले साल इसमें ऑस्ट्रेलिया को भी शामिल किया गया। इससे आगे किसी तरह के साझा सैन्य अभियान की तैयारी नहीं है। चीन लगातार हिंद-प्रशांत में दखल बढ़ा रहा है, वह पड़ोसी देशों को धमका रहा है और जिस तरह पड़ोसी देशों की जमीनी सीमा में सलामी रणनीति यानी स्लाइसिंग स्ट्रेटेजी के तहत जमीन कब्जा कर रहा है वैसे ही समुद्री सीमा में भी अपना कब्जा और नियंत्रण बढ़ाता जा रहा है। इससे निपटने के लिए क्वाड को क्या करना है, यह स्पष्ट नहीं है।

जिस तरह से नाटो का लक्ष्य तय है और कहा गया है कि यह संगठन हर तरह के राजनीतिक और सैन्य साधनों का इस्तेमाल करके अपने सभी सदस्य देशों की स्वतंत्रता और सुरक्षा सुनिश्चित करेगा, वैसा कोई स्पष्ट तय लक्ष्य क्वाड का नहीं दिख रहा है। इसका गठन होने के बाद यह उम्मीद बंधी थी कि यह एशियाई नाटो होगा यानी एशियाई देशों का नाटो जैसा संगठन होगा। चीन को भी इसे लेकर चिंता हुई थी और उसने इस पर नाराजगी जाहिर की थी। उसने इसका लक्ष्य और मकसद स्पष्ट करने को कहा था। कहीं न कहीं चीन को डर भी लगा था कि ये चार देश एक साथ आकर अगर हिंद-प्रशांत के देशों के हितों की रक्षा का संकल्प लेते हैं तो चीन को दिक्कत होगी। ये चारों देश मिल कर चीन की विस्तारवादी नीतियों पर निर्णायक रोक लगा सकते हैं। अमेरिका की तकनीक व सैन्य ताकत, जापान के धन और भारत की सैन्य व सामरिक स्थिति का मुकाबला अकेले चीन नहीं कर सकता है। तभी क्वाड की पहली बैठक से उम्मीद थी कि विश्व के चार बड़े और शक्तिशाली देशों के नेता साझा बयान जारी करेंगे तो वह चेतावनी देने वाली होगी। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। पहली बैठक के बाद यह मैसेज गया कि क्वाड एक सॉफ्ट डिप्लोमेसी का मंच है। क्योंकि चारों नेताओं की बैठक में ज्यादा जोर इस बात पर रहा कि कोरोना वायरस के संक्रमण से कैसे लड़ा जाए। ध्यान रहे चार में से दो देशों- जापान और ऑस्ट्रेलिया में कोरोना पर काफी हद तक काबू पा लिया गया है। अमेरिका अपनी लड़ाई खुद लड़ रहा है और उसे किसी की मदद की जरूरत नहीं है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने चार जुलाई तक अपने देश को कोरोना से मुक्त करने का संकल्प जाहिर किया है। तभी सवाल है कि कोरोना से लड़ाई में क्वाड की क्या भूमिका है या क्या जरूरत है? अगर अमेरिकी तकनीक, जापानी धन और भारत की उत्पादन क्षमता का इस्तेमाल कर वैक्सीन की एक अरब डोज बनती है तो उसे कहां भेजा जाएगा? हिंद-प्रशांत और दक्षिण एशिया में किस देश को इसकी जरूरत है? हिंद-प्रशांत के ज्यादातर देशों ने कोरोना पर काबू पाया हुआ है और उन्हें बाहरी मदद की जरूरत नहीं है। दूसरा सवाल यह है कि इस वैक्सीन डिप्लोमेसी से चीन की विस्तारवादी नीतियों को रोकने में प्रत्यक्षतः क्या मदद मिलेगी? इसी तरह से क्वाड के नेताओं की वार्ता में जलवायु परिवर्तन पर बहुत ध्यान दिया गया। साझा बयान में भी क्लाइमेट चेंज के मसले पर रणनीति बनाने और उस पर अमल की बात कही गई। इसे भी हिंद-प्रशांत की सुरक्षा के लिए जरूरी बताया गया। लेकिन यह भी नरम कूटनीति का ही एक पहलू है। शांति, समृद्धि, सुरक्षा, वैक्सीन या जलवायु परिवर्तन की तमाम बातें नरम कूटनीति से जुड़ी हैं और इनकी वजह से क्वाड की छवि एक सॉफ्ट डिप्लोमेसी वाले मंच की बनी है। सवाल है कि इसके लिए पहले से ही क्या दर्जनों मंच नहीं हैं? जी-7 से लेकर जी-20 और ब्रिक्स से लेकर आसियान, सार्क, एससीओ आदि भी तो इसी तरह के मंच हैं। अगर सॉफ्ट डिप्लोमेसी करनी है तो किसी नए मंच की क्या जरूरत है? कहीं ऐसा तो नहीं है कि अमेरिका का नया नेतृत्व चीन के प्रति अपनी नरम नीतियों की वजह से क्वाड को सॉफ्ट डिप्लोमेसी मंच की बना रहा है?

भारत क्यों बने किसी का मोहरा?

भारत, अमेरिका, जापान और आस्ट्रेलिया– इन चार राष्ट्रों के चौगुटे का जो पहला शिखर-सम्मेलन हुआ, उसमें सबसे ध्यान देने वाली बात यह हुई कि किसी भी नेता ने चीन के विरुद्ध एक शब्द भी नहीं बोला जबकि माना जा रहा है कि यह चौगुटा बना ही है, चीन को टक्कर देने के लिए। इसका नाम है- क्वाड याने 'क्वाड्रीलेटरल सिक्यूरिटी डॉयलाग' अर्थात सामरिक समीकरण ही इसका लक्ष्य है लेकिन इसमें भाग ले रहे भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन, जापान के प्रधानमंत्री योशिहिदे सुगा और आस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मोरिसन ने अपना ध्यान केंद्रित किया– कोरोना महामारी से लड़ने पर। पिछले माह जब इसके विदेश मंत्रियों का सम्मेलन हुआ था, तब भी चाहे अमेरिकी विदेश मंत्री ने चीन के विरुद्ध जब-तब कुछ बयान दिए थे लेकिन चारों विदेश मंत्रियों का कोई संयुक्त वक्तव्य जारी नहीं हो सका, क्योंकि भारत नहीं चाहता था कि यह चौगुटा चीन-विरोधी

मोर्चा बन जाए। भारत आज तक किसी भी सैनिक गुट में शामिल नहीं हुआ। शीत-युद्ध के दौरान वह सोवियत संघ के नजदीक जरुर रहा लेकिन वह किसी सेन्टो या नाटो के सैनिक गुट में शामिल नहीं हुआ। चीन ने इस चौगुटे को पहले ही 'एशियाई नाटो' घोषित किया हुआ है। इसमें शक नहीं है कि पिछले 10-15 साल में चीन की चुनौती से अमेरिका प्रकंपित है और इसीलिए उसने प्रशांत-क्षेत्र को भारत-प्रशांत क्षेत्र (इंडो-पेसिफिक) घोषित किया लेकिन भारत के नेता इतने कच्चे नहीं हैं कि वे अमेरिकी गोली को निगल जाएंगे। वे अमेरिका की खातिर चीन से दुश्मनी नहीं बांधेंगे। खुद बाइडन का अमेरिका चीन के साथ टक्कर जरुर ले रहा है लेकिन वह ट्रंप की तरह बेलगाम नहीं है। इसके अलावा उसे पता है कि जापान और आस्ट्रेलिया का चीन सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है। अमेरिका के यूरोपीय साथी फ्रांस, जर्मनी और ब्रिटेन की अर्थ व्यवस्थाओं का चीन एक बड़ा सहारा है। इसीलिए इस शिखर सम्मेलन के संयुक्त वक्तव्य में चारों देशों ने कहा है कि यह चौगुटा समान विचारवाले देशों का लचीला संगठन है इसमें कुछ नए देश भी जुड़ सकते हैं। यह ठीक है कि प्रशांत और हिंदमहासागर क्षेत्र में अमेरिका, जापान और आस्ट्रेलिया ने अपने-अपने सामरिक अड्डे बना रखे हैं और चीन व उनके हितों में सामरिक प्रतिस्पर्धा भी है लेकिन भारत किसी भी राष्ट्र या गुट का मोहरा क्यों बनेगा? भारत और चीन के बीच सीमांत को लेकर आजकल तनाव जरुर बना हुआ है लेकिन उस पर वार्ता चल रही है।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

एंटीलिया मामला : अजीत पवार बोले- हम किसी को बचा नहीं रहे, लेकिन अफवाहों के आधार पर कार्रवाई नहीं

संवाददाता

मुंबई। उद्योगपति मुकेश अंबानी के घर एंटीलिया के बाहर जिलेटिन की छड़ों से भरी स्कॉर्पियो मिलने के मामले में सचिन वाजे पर एनआईए की कार्रवाई के बाद महाराष्ट्र सरकार में दरार पड़ने की खबरें हैं। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे और राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) प्रमुख शरद पवार की सोमवार को हुई मुलाकात ने इन अटकलों को हवा दे दी। वहीं सचिन वाजे को लेकर महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री ने कहा कि हम किसी को बचा नहीं रहे हैं, लेकिन बिना सबूत किसी पर कार्रवाई नहीं की जाएगी। उद्धव सरकार ने साफ कर दिया है कि वह एंटीलिया मामले में न तो किसी अधिकारी या मंत्री को बचा रही है और न ही किसी पर बिना सबूत कार्रवाई करने वाली है। सीएम आवास पर बुलाई गई तीनों सहयोगी दलों की बैठक के बीच उप मुख्यमंत्री अजीत पवार ने यह बात कही।

सबूतों के आधार पर होगी कार्रवाई

सचिन वाजे को लेकर किए गए सवाल पर पवार ने कहा, इस केस की हमें जैसे ही जानकारी मिली हमने कार्रवाई की, लेकिन पिछले दो दिनों से अन्य अधिकारियों को लेकर खबरें आ रहीं हैं कि इसे हटाया जाएगा, उसे हटाया जाएगा। सरकार कोई भी निर्णय ऐसे ही नहीं लेती है। मुख्यमंत्री ने पहले भी स्पष्ट किया है कि सबूतों के आधार पर ही हम किसी को हटाएंगे या उस पर कार्रवाई करेंगे। अफवाहों के आधार पर कार्रवाई करने का सवाल ही नहीं उठता।

दरार की खबरों पर बोले पवार, कोई मतभेद नहीं

बैठक के बीच से कुछ देर के लिए बाहर निकले अजीत पवार ने कहा कि मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कहा है कि जो भी इस मामले में दोषी होगा उस पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी, कांग्रेस और शिवसेना के नेताओं के बीच में कोई भी मतभेद नहीं है। हम मिलकर अच्छा काम कर रहे हैं।

जीपीएस बेस्ड होंगे ऑटो टैक्सी के मीटर, परिवहन विभाग कर रहा है विचार

मुंबई। ऑटो और टैक्सी में किराया वृद्धि के बाद मीटर अपडेट कराने की एक नई समस्या पैदा हुई है। मुंबई में चार लाख से ज्यादा ऑटो और चालीस हजार के करीब टैक्सियां हैं। हर एक वाहन के मीटर को अपडेट करने के लिए 700 रुपये खर्च करने पड़ते हैं, जबकि अलग-अलग कंपनियों के मीटर की अलग-अलग समस्या होती है। इसका समाधान निकालने के लिए अब परिवहन विभाग जीपीएस पर आधारित मीटर पर विचार कर रहा है। ऐसे मीटर

ओला या ऊबर में देखने को मिलते हैं। ये आमतौर पर सटीक होते हैं और इनमें एक क्लिक से प्रशासन द्वारा अपडेट किया जा सकता है। जीपीएस आधारित मीटर बनाने के लिए परिवहन विभाग द्वारा जल्द ही निर्माताओं से बैठक की जाएगी। परिवहन आयुक्त अविनाश ढाकने ने बताया कि जीपीएस आधारित मीटर एक बार शुरू करने के बाद अपडेट के लिए परेशानी नहीं होगी। ये मीटर सस्ते भी होते हैं केवल सिम कार्ड की जरूरत होती है। ढाकने के अनुसार यात्रियों के लिए एक ऐप भी विकसित करने की योजना है, जो मीटर की रीडिंग से मैच करेगी। यात्री को किराया का अंदाज चल जाएगा।

मीटर अपडेट के लिए दिया टाइमः

अब किराया वृद्धि होने पर टैक्सी और ऑटो के मीटर को अपडेट किया जा रहा है। आरटीओ के अनुसार अब तक करीब 22 हजार ऑटो को अपडेट किया जा चुका है, जबकि सोमवार से टैक्सी के मीटर अपडेट करने की शुरूआत हुई है। जिन ऑटो या टैक्सी के पंजीकरण का अंतिम नंबर 'जीरो' (0) है, उन्हें अपडेट के लिए 1 मार्च से 7 मार्च तक का समय दिया गया है। इसी तरह आखिरी नंबर 9 पहुंचने तक हर सप्ताह चरणबद्ध तरीके से अपडेट किया जाएगा। मुंबई 4.6 लाख ऑटो और 60 हजार टैक्सियों के मीटर को अपडेट किया जाएगा।

टैरिफ कार्ड देखकर लेंगे किरायाः

ऑटो टैक्सी को मीटर अपडेट के लिए 31 मई तक का समय दिया है। इस दौरान मीटर की रीडिंग देखकर नए टैरिफ कार्ड के अनुसार किराया लिया जा सकता है। 1 जून से किराया केवल मीटर की रीडिंग के आधार पर ही किया जा सकेगा। टैक्सी का न्यूनतम किराया दिन में 25 रुपये और 28 रुपये मिड नाइट के लिए होगा। कूल केब के लिए न्यूनतम किराया 33 रुपये और मिडनाइट किराया 42 रुपये देना होगा।

तोड़ा होम क्वारंटीन का नियम, तो बनेगा विडियो

मुंबई। होम क्वारंटीन हुए मरीज सावधान हो जाएं। अगर आप नियमों का उल्लंघन कर घूमने के लिए घर से बाहर निकल रहे हैं, तो यह जान लीजिए कि आप पर कैमरे से नजर रखी जा रही है। आपका विडियो बनाया जा रहा है, जिसके तहत पुलिस स्टेशन में आपराधिक मामला दर्ज किया जाएगा। यह नया कदम बीएमसी ने उठाया है। इस विडियो को बनाने की जिम्मेदारी हर उन सोसायटी के लोगों पर सौंपी गई है, जहां कोरोना संक्रमित लोगों को होम क्वारंटीन किया गया है। बता दें कि मुंबई में कोरोना वायरस ने फिर से तेजी से पैर पसारना शुरू किया है। इसके बावजूद होम क्वारंटीन हुए मरीज बाज नहीं आ रहे हैं।

नियमों का उल्लंघन कर ये मरीज घूमने के लिए घर से बाहर निकल रहे हैं। बीएमसी को समय-समय पर इसकी शिकायत भी मिलती रहती है। इसे रोकने के लिए अब बीएमसी ने और भी सख्त रुख अपनाया है। बीएमसी के हर वॉर्ड ऑफिसरों ने सोसायटियों को पत्र लिखना शुरू कर दिया है, जिसमें कहा है कि यदि उनकी सोसायटी में कोई मरीज होम क्वारंटीन होने बावजूद बाहर घूमता नजर आता है, तो उसकी शिकायत संबंधित वॉर्ड को करें और साथ ही विडियो भी बना लें, ताकि लापरवाहों पर कड़ाई से कानूनी कार्रवाई करने में आसानी हो।

(पृष्ठ 1 का शेष)

उत्तर से दक्षिण तक उपचुनावों का ऐलान

जिन विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होने हैं, उनमें राजस्थान की 3 और मध्यप्रदेश की एक सीट शामिल है। राजस्थान में सहाड़ा, सुजानगढ और राजसमंद सीट पर उपचुनाव होंगे। इन 3 सीटों में से 2 पर कांग्रेस और 1 पर भाजपा ने चुनाव जीता था। सहाड़ा सीट कांग्रेस विधायक कैलाश त्रिवेदी और सुजानगढ़ सीट मास्टर भंवरलाल के निधन की वजह से खाली हुई है। वहीं, राजसमंद सीट भाजपा विधायक किरण माहेश्वरी के निधन की वजह से खाली हुई है। यहां उदयपुर की वल्लभनगर सीट पर भी चुनाव होना है, लेकिन इसकी घोषणा नहीं की गई है। मध्य प्रदेश में दमोह विधानसभा सीट पर उपचुनाव होना है। कांग्रेस के विधायक राहुल सिंह लोधी के भाजपा में शामिल होने के बाद यहां उपचुनाव होना है।

बंगाल का सियासी घमासान

उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग ने मेरे सिक्योरिटी डायरेक्टर को हटा दिया। क्या भाजपा मुझे मारने की साजिश रच रही है? लेकिन हम किसी से डरने वाले नहीं हैं। हम राज्य में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव चाहते हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने कोरोना, अम्फान के वक्त हमारी मदद नहीं की। हम बंगाल में बाहरी गुंडों को चुनाव नहीं लड़ने देंगे। भाजपा बाहुबल के दम पर बंगाल जीतने की कोशिश कर रही है। इस दौरान उन्होंने मंच पर ही चंडी पाठ भी किया। उन्होंने कहा कि डॉक्टर्स ने मुझे आराम के लिए कहा था, लेकिन मैं नहीं रुकी। अगर मैं सोती रही, तो भाजपा जनता को जो दर्द देगी वो असहनीय होगा। भाजपा को पता है कि ममता को नहीं रोका जा सकता है। गृह मंत्री कोलकाता में बैठकर साजिश कर रहे हैं। उन पर देश को चलाने की जिम्मेदारी है, लेकिन वह कोलकाता में भाषण देने में व्यस्त हैं। उन्होंने कहा कि हम सरकारी कंपनियों को बंद नहीं होने देंगे। हम बीएसएनएल, बैंक, कोल, एयर इंडिया किसी को भी बंद नहीं होने देंगे। भाजपा जो चाहे कर ले, हम उसे बंगाल में जीतने नहीं देंगे। जो हमसे टकराएगा चूर-चूर हो जाएगा। उन्होंने कहा कि मैं रोज 25-30 किमी. चलती थी, लेकिन अभी खड़े होकर भी नहीं बोल पा रही हूं। जिसके पांव में चोट लगती है, वही समझता है। हमारे खिलाफ साजिश की जा रही है। गृह सचिव को भी नोटिस भेजा गया है। भाजपा का मकसद सिर्फ चुनाव जीतना है, उसके लिए वो कुछ भी करने को तैयार है। नंदीग्राम विधानसभा सीट पर ममता का सामना कभी उनके करीबी रहे और पार्टी छोड़ चुके भाजपा उम्मीदवार शुभेंदु अधिकारी से होगा। शुभेंदु ने पिछले साल नवंबर में टीएमसी छोड़कर भाजपा का दामन थाम लिया था।

एंटीलिया केस में एनआईए का एक्शन

मनसुख अपनी गाड़ी खराब होने पर उसे छोड़कर सचिन वझे से ही मिलने गए थे। सीआईयू का ऑफिस मुंबई पुलिस कमिश्नर के ऑफिस में ही है। यहां से कुछ दस्तावेज भी जब्त किए गए हैं। अब तक सीआईयू के 10 अफसरों से पूछताछ की जा चुकी है। एनआईए के आईजी अनिल शुक्ला एंटीलिया मामले की जांच लीड कर रहे है। शुक्ला 1988 बैच के एजीएमयूटी कैडर के हैं। वह भी सचिन वझे के ऑफिस में मौजूद थे। उन्होंने सभी अधिकारियों से पूछताछ की है। एनआईए की टीम एक मर्सिडीज को जांच के लिए अपने ऑफिस लाई है। यह मर्सिडीज सचिन वझे से जुड़ी हुई है। हालांकि, इसकी मालकिन एक महिला है।

मुंबईः वायुसेना की बस हुई दुर्घटनाग्रस्त

उन्होंने बताया कि सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची एवं घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। बस में ठाणे वायुसेना स्टेशन के 24 यात्री सवार थे। पुलिस उपायुत (जोन-7) प्रशांत कदम ने कहा, ऐसा जान पड़ता है कि ड्राइवर ने वाहन में किसी तकनीकी गड़बड़ी की वजह से ब्रेक लगाया। यात्रियों में आठ से दस साल की चार पांच बालिकाएं थीं। उन्होंने बताया कि पुलिस ने क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय के कर्मियों से इस हादसे की सटीक वजह का पता लगाने के लिए वाहन का निरीक्षण करने को कहा है।

महंगा होगा ताजमहल का दीदार

एक अप्रैल से भारतीयों से 480 और विदेशियों से 1600 रुपए लेने का प्रस्ताव

अभी 250 और 1300 रुपए लिए जाते हैं

एक अनुमान के मुताबिक हर दिन ताजमहल देखने के लिए 5 से 8 हजार लोग आते हैं

टिकट दर	भारतीयों के लिए	विदेशियों के लिए
अभी-	250	1300
1 अप्रैल से-	480	1600
2018 तक	50	750

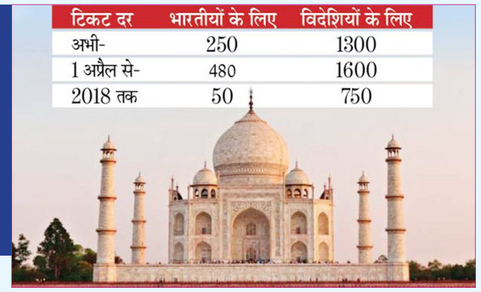

संवाददाता

नई दिल्ली। अपनी खूबसूरती के लिए दुनियाभर में मशहूर ताजमहल का दीदार आने वाले समय में और महंगा हो सकता है। आगरा विकास प्राधिकरण (एडीए) ने ताजमहल के टिकट की दर बढ़ाने का प्रस्ताव सरकार को भेजा है। एडीए ने सरकार से 230 रुपए और 300 रुपए की वृद्धि की मांग की है। अगर प्रस्ताव पर सरकार की मुहर लगती है तो ताजमहल देखने के लिए भारतीय पर्यटकों को 480 रुपए और विदेशी पर्यटकों को 1600 रुपए चुकाने होंगे। बढ़ी दरें एक अप्रैल से लागू होने की संभावना है।

साल 2018 में एएसआई ने बढ़ाई थी दरें

साल 2018 में भारतीय पुरातत्व विभाग (एएसआई) ने टिकट दरों में बढ़ोत्तरी की थी। अभी तक ताजमहल देखने के लिए भारतीय पर्यटकों को 250 रुपए और विदेशी पर्यटकों को 1300 रुपए देने पड़ते हैं। इसमें एएसआई की तरफ से 200 रुपए चार्ज किए जाते हैं।

अब फिर से बढ़ा टिकट का पैसा तो आएगी दिक्कत

ताजमहल का दीदार करने पहुंचे भारतीय पर्यटक सौरभ मिश्रा ने कहा कि यदि कीमतें बढ़ती हैं, तो इससे भारतीय पर्यटकों को अपनी विरासत देखने में असुविधा होगी। हम मुख्य गुंबद को देखने के लिए पहले 50 रुपए का भुगतान करते थे और अब हमें 250 रुपये का भुगतान करना पड़ता है। अगर यह फिर से बढ़ जाता है, तो भारतीय पर्यटकों की संख्या में भारी कमी आ जाएगी।

पहले से चार्ज 200 रुपए से अलग

आगरा मंडल के कमिश्नर अमित गुप्ता ने कहा, आगरा विकास प्राधिकरण ने मुख्य गुंबद में प्रवेश करने के लिए 200 रुपए का शुल्क बढ़ाने का प्रस्ताव किया है, जो पहले से चार्ज किए गए 200 रुपए से अलग है। हालांकि उन्होंने भी स्वीकार किया कि यदि दरें बढ़ती हैं तो भारतीय पर्यटकों को असुविधा हो सकती है।

आफत में फंसी जान

पुणे में क्वारैंटाइन सेंटर से खिड़की तोड़कर फरार होना चाहती थी लड़की, फंसने के बाद फायर ब्रिगेड ने किया रेस्क्यू

पुणे। पुणे के एरंडवणा इलाके में मंगलवार सुबह सेंट्रल मॉल के पास स्थित एक राम भगवान के वीडियो सेंटर से 18 साल की एक युवती ने भागने का प्रयास किया। लड़की खिड़की का ग्रिल तोड़कर भागना चाहती थी, लेकिन काफी कम जगह होने की वजह से वह बाहर निकलने के दौरान फस गई। आफत में जान आने के बाद वह चिल्लाने लगी और क्वारैंटाइन सेंटर के कर्मचारियों को इस मामले की जानकारी हुई। लड़की की पहचान दीप्ति कुमारी (18) के रूप में हुई है। कुछ दिनों पहले दिल्ली से पुणे

आई दीप्ति कोरोना पॉजिटिव होने के बाद इस क्वारैंटाइन सेंटर में एडमिट हैं। दीप्ति का कहना है कि क्वारैंटाइन सेंटर में उनका सही से इलाज नहीं हो रहा था इसलिए वह यहां से फरार होना चाह रही थी। ग्रिल में फंसी दीप्ति को बाहर निकालने के लिए फायर ब्रिगेड टीम की मदद लेनी पड़ी। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड टीम ने पहले ग्रिल को काटा और फिर उसे दीप्ति के शरीर से अलग किया। दीप्ति के परिवार वालों को इसकी जानकारी दे दी गई है और डॉक्टरों से उनकी काउंसलिंग करने को कहा गया है। कल सुबह ही दीप्ति का एक दूसरा टेस्ट हुआ है और अगर उसमें उनकी रिपोर्ट नेगेटिव आती है तो 14 दिन का कारण टाइम पीरियड पूरा करने के बाद उन्हें यहां से जाने दिया जाएगा।

Tremor- कूड़े से खजाने तक की यात्रा

के.पी.बी हिंदुजा कॉलेज ऑफ कॉमर्स के छात्रों के प्रबंधन अध्ययन के स्नातक द्वारा एक पहल

Tremor- कूड़े से खजाने तक की यात्रा के.पी.बी हिंदुजा कॉलेज ऑफ कॉमर्स के छात्रों के प्रबंधन अध्ययन के स्नातक द्वारा एक पहल है। 2021, 2 और 3 मार्च को इस शैक्षणिक सम्मेलन के तीसरे संस्करण का गवाह बना। इस संस्करण का विषय 'स्पेस क्रूसेड' था। कोरोना की स्थिति को ध्यान में रखते हुए, इस आयोजन को ऑनलाइन आयोजित किया गया था, लेकिन इन प्रबंधन छात्रों के उत्साह को कम नहीं कर सका। उन्होंने सफलतापूर्वक अपनी विरासत के जत्थे को आगे बढ़ाया। छात्रों को उनके संकायों द्वारा समर्थित किया गया था। इस कार्यक्रम में 8 विविध प्रतियोगिताओं में 16 कॉलेजों की सक्रिय भागीदारी देखी गई। प्रतिभागियों को वाद-विवाद प्रतियोगिता, खजाने की खोज से लेकर फिल्म बनाने और मिस्टर और सुश्री ट्रेमर तक कई तरह के कार्यक्रमों में अपने कौशल और प्रतिभा का प्रदर्शन करने का मौका मिला। यह आयोजन पहले स्थान पर नागिंदास खंडवाला और दूसरे और तीसरे स्थान पर किशनचंद चेलाराम और कांदिवली एजुकेशन सोसाइटी के साथ विजेताओं की घोषणा के साथ संपन्न हुआ। टीम ने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दीं और इस तीसरे संस्करण को पूर्ण सर्वश्रेष्ठ बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी।

नागपुर में लॉकडाउन रिटर्न्स

एक साल बाद देश का पहला शहर जहां फिर लॉकडाउन लगा, पहले से ज्यादा सख्ती

नागपुर। नागपुर देश का पहला शहर बन गया है, जहां सालभर पहले की कहानी दोहराई जा रही है। शहर में न सिर्फ कोरोना के मरीज बढ़ रहे हैं, बल्कि यहां की सड़कें एक बार फिर सूनी हो चली हैं। वजह है साल का दूसरा लॉकडाउन। पिछले साल 25 मार्च को देश भर में लॉकडाउन लगा था। अब ठीक एक साल होने में जब 10 दिन बचे थे, तभी नागपुर देश का पहला शहर बन गया, जहां पूरी तरह से एक हफ्ते के लिए लॉकडाउन लगाया गया है। नागपुर में पिछले दो दिन से लगातार 2 हजार से ज्यादा कोरोना के मामले आ रहे हैं। संक्रमण के बढ़ते खतरे को देखते हुए शहर में 15 मार्च से 21 मार्च तक फिर से लॉकडाउन लगा दिया गया है। किराना, दूध,

फल और सब्जी की दुकानों को छोड़कर सभी चीजें बंद हैं। लॉकडाउन का पहला दिन होने के कारण नागपुर की सड़कों पर पुलिस मुस्तैद नजर आई। ज्यादातर लोग घरों में थे और जो बाहर भी थे उन्होंने अपने चेहरे पर मास्क लगाया था।

सड़कों पर दिखे बुजुर्ग और नौकरीपेशा लोग

लॉकडाउन में सिर्फ पास वाले नौकरीपेशा लोगों को सीमित संख्या में छूट दी गई है। चिकित्सा, पैरामेडिकल और आपातकालीन सेवाओं से जुड़े लोगों को लॉकडाउन के बावजूद बाहर आने की अनुमति है। 25% उपस्थिति के साथ सरकारी ऑफिस को भी खोला गया है। शहर के बाहर इंडस्ट्रियल एरिया में कार्यरत प्राइवेट कंपनियों में भी सीमित संख्या में लोगों को जाने की अनुमति दी गई है। सुबह के समय ऑफिस जाने वालों की थोड़ी भीड़ सड़कों पर नजर आई। कई जगहों पर कुछ बुजुर्ग भी हॉस्पिटल के बाहर देखे गए। इनमें ज्यादातर वे लोग थे जो वैक्सीनेशन के लिए यहां आए थे।

बाइक पर डबल सवारी करने वालों पर हुई कार्रवाई: इस बार के लॉकडाउन में नियम को कड़ा किया गया है। दोपहिया वाहनों में डबल सवारी करने वालों पर भी कार्रवाई हो रही है। लॉकडाउन के पहले दिन पर लोगों के रिस्पॉन्स को देखते हुए पालक मंत्री नितिन राउत ने नागरिकों का आभार व्यक्त किया है।

रिया चक्रवर्ती की जमानत रद्द करने के लिए एनसीबी ने सुप्रीम कोर्ट में दायर की याचिका, चार्जशीट में एक्ट्रेस को ड्रग्स सप्लाई करने वाला बताया गया था

चंडीगढ़। अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत से जुड़े ड्रग्स केस में गिरफ्तार और जमानत पर रिहा हुई एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती की जमानत रद्द करने की मांग को लेकर नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। एनसीबी ने एक याचिका के माध्यम से अक्टूबर 2020 के बॉम्बे हाईकोर्ट के जमानत के फैसले को चुनौती दी है। एनसीबी की याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने स्वीकार कर लिया है और 18 मार्च को इस मामले पर चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया एसए बोबडे की अगुवाई वाली बेंच सुनवाई करेगी। बॉम्बे हाई कोर्ट के जस्टिस सारंग कोतवाल की बेंच ने 50 हजार के निजी मुचलके पर रिया चक्रवर्ती, सुशांत के कुक दीपेश सावंत और होम मैनेजर सैमुअल मिरांडा को जमानत दे दी थी। 5 मार्च को नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने 12 हजार पन्नों की चार्जशीट दायर की थी। चार्जशीट में रिया और उसके भाई शोविक चक्रवर्ती समेत 33 लोगों को आरोपी बनाया गया था। रिया को एनसीबी ने सुशांत सिंह राजपूत राजपूत के लिए ड्रग्स का 'इंतजाम' करने के आरोप में गिरफ्तार किया था। इस मामले में 50 हजार पेज का डिजिटल एविडेंस भी अदालत में पेश किया गया था। चार्जशीट में रिया पर आरोप लगाया है कि नवंबर 2019 से रिया या की सहमति से उनके घर पर ड्रग्स की डिलीवरी हो रही थी और अपने घर का इस्तेमाल वह अपने बॉयफ्रेंड सुशांत को ड्रग्स सप्लाई करने के लिए कर रही थीं। एनसीबी ने कहा है, रिया ने ड्रग्स की खरीद के लिए पैसों का इंतेजाम किया, इसलिए वह लगातार ड्रग्स की खरीद-फरोख्त को फाइनैंस कर रही थीं। रिया ने अपने भाई शौविक चक्रवर्ती की मदद के जरिए ड्रग्स की सप्लाई का चैनल तैयार किया।

पंजाब में कांग्रेस का मास्टरस्ट्रोक: सिद्धू को अमरिंदर ने अपने सिसवां फार्म हाउस पर लंच के लिए बुलाया, कांग्रेस का किला मजबूत करने की तैयारी

चंडीगढ़। पंजाब में 2022 में विधानसभा चुनाव होने हैं। इसके मद्देनजर कांग्रेस हाईकमान एक बार फिर से पूर्व क्रिकेटर नवजोत सिंह सिद्धू को मुख्यधारा में लाना चाहती है। इसके लिए सिद्धू और कैप्टन अमरिंदर के बीच मतभेद खत्म कराने की कोशिश की जा रही है। इस दिशा में आगे बढ़ते हुए लंच डिप्लोमेसी का दांव खेला गया है। खबर के मुताबिक, मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने सिद्धू को बुधवार को लंच पर बुलाया है। यह लंच कैप्टन के सिसवां फार्म हाउस में होगा। इस मुलाकात में पंजाब कांग्रेस में सिद्धू के भविष्य पर फैसला हो सकता है। पार्टी में सिद्धू की सक्रियता और उनकी भूमिका को लेकर बातचीत हो सकती है। बता दें कि कैबिनेट मंत्री के पद से इस्तीफा देने के बाद और पिछले चार महीने में कैप्टन और सिद्धू की यह दूसरी मुलाकात होगी। इससे पहले 25 नवंबर को भी दोनों ने लंच पर मुलाकात की थी। इस दूसरी मुलाकात की रूपरेखा पंजाब के कांग्रेस प्रभारी हरीश रावत ने तैयार की है। हरीश रावत हाल ही में पंजाब दौरे पर आए थे। इस दौरान उन्होंने राज्य में कांग्रेस नेताओं की नब्ज टटोली थी। उन्होंने आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर नेताओं के आपसी मतभेद खत्म करने के लिए योजना बनाई। इसके लिए हरीश रावत ने पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह से मुलाकात की। पार्टी सूत्रों के मुताबिक उस मुलाकात में हरीश रावत और अमरिंदर सिंह के बीच सिद्धू की भूमिका को लेकर चर्चा हुई। रावत ने मुख्यमंत्री से मुलाकात करने से पहले सिद्धू के साथ भी चाय पर चर्चा की थी। इन दोनों चचाओं का ही नतीजा है कैप्टन और सिद्धू की होने जा रही दूसरी मुलाकात।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

बुलडाणा हलचल

ठेकेदार से रिश्वत लेते हुए महावितरण का सहायक अभियंता रंगे हाथ गिरफ्तार

संवाददाता/असफाक युसुफ

बुलडाणा। मुख्यमंत्री सौर ऊर्जा पम्प योजना के तहत किए गए काम के पूरा होने पर एक रिपोर्ट पर हस्ताक्षर करने के लिए 1,500 रुपये की रिश्वत लेने वाला महावितरण देऊळगाव राजा उपविभागीय कार्यालय का सहायक अभियंता को लाचलुचपत प्रतिबंधक विभाग ने रंगे हाथ पकड लीया। सिंदखेड राजा तालुका में सोनोशी के एक ठेकेदार ने मुख्यमंत्री सौर कृषि पंप योजना के तहत काम किया है। इस काम के पूरा होने पर एक रिपोर्ट हस्ताक्षर के लिए देउलगांव

राजा में महावितरण के उप-विभागीय कार्यालय को भेजी गई थी। अभियंता योगेश उदय सिंह भोकान (२८, ह.मु.तरोडा, ता.मोताळा) डेढ़ हजार रुपये की रिश्वत मांग की। इस सिल सिले मे ठेकेदार ने बुलडाणा में लाचलुचपत प्रतिबंधक विभाग में शिकायत दर्ज कराई। इस के अनुसार 15 मार्च को कार्यालय में ही जाल बिछाया गया। योगेश भोकान को 1,500 रुपये लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया। ये कारवाई पोलीस उपअधीक्षक संजय चौधरी, नाईक पोलीस शिपाई विलास साखरे, प्रवीण बैरागी, पोलीस शिपाई जगदिश पवार, चालक पोलीस शिपाई मधुकर रगड ने की।

निजीकरण के खिलाफ बैंक कर्मियों का बुलडाणा में प्रदर्शन

बुलडाणा। केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तावित बैंकों के निजीकरण के खिलाफ सभी राष्ट्रीयकृत बैंकों के कर्मचारियों ने सोमवार से दो दिवसीय हड़ताल शुरू की, जिससे करोड़ों रुपए का व्यवहार प्रभावित हुआ। हड़ताली कर्मचारियों ने बैंक के सामने नारेबाजी कर सरकार के खिलाफ आक्रोश व्यक्त किया। इससे पहले बुलडाणा के सभी बैंक कर्मियों ने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया मेन रोड पर जमा हुए। बैंक कर्मियों का कहना है कि बैंकों को डुबाने वाले बड़े उद्योगपति हैं,

लेकिन उनके खिलाफ सरकार का रवैया नरम होने से बैंक कुछ नहीं कर सकती। यही बड़े उद्योगपति निजीकरण कर बैंकों को खुद चलाना चाहते हैं। यह देश और आमजन के लिए घातक है। इसलिए ग्राहक भी निजीकरण के खिलाफ हमारा साथ दें। इस समय बँक ऑफ इंडियाचे आशिष टेकाळे दिगंबर तिवाने, दिनेश कानोडजे, विष्णू बाहेकर, संदीप जाधव, दीपक मोकळे, महेश कुळकर्णी, महेश पाटील, पाचपते. गोजरे ने इसमें भाग लिया।

राजस्थान हलचल

मौलाना ने मोबाईल फोन लोटा कर दिया ईमानदारी का परिचय

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

राजसमन्द। राजसमन्द के घोड़ा गाटी निवासी भगवती लाल वर्मा का फोन सेट नेशनल हाइवे आठ पर बाईक चलाते समय कही गिर गया इतने में आमेट निवासी मौलाना हाजी अब्दुलरजाक का उधर से गुजरना हुआ और नए मोबाईल सेट के बिल के आधार पर काफी प्रयास कर उसके मालिक घोड़ा गाटी निवासी भगवती लाल वर्मा को फोन कर नया मोबाईल सेट इन्हें सौंपा गया इस दौरान मौलाना की ईमानदारी देखते हुए कई राहगीरों ने मौलाना को बहुत बहुत सराहना की और कहा कि ईमानदारी अभी भी जिन्दा है।

डॉ सिंह के होम्योपैथी इलाज से फिर मिला जीवनदान

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

बीकानेर। बीकानेर निवासी 58 वर्षीय अरुण बाला शर्मा जिनका किडनी में फिर से पथरी का पता चलने पर भयभीत थी काफी इलाज अंत में डॉक्टरों ने ऑपरेशन बताया लेकिन अरुण बाला पहले ही काफी वर्ष इलाज लिया पर सफलता न मिलने पर एक किडनी खो चुकी थी। दुबारा दूसरी किडनी में 8 एमएम की पथरी की वजय से काफी दर्द पैरो में सुजन, पेशाब में रुकावट से लगातार परेशांन चल रही थी, एक टीचर होने क नाते लगातार काफी समय खड़ा रहने पे असहनीय दर्द होता था तभी उनका

संपर्क बीकानेर के जाने माने होम्योपैथी विशेषज्ञ डॉ भानु प्रताप सिंह से हुआ तो उन्होंने सोनोग्राफी देख उन्होंने होम्योपैथी दवाये शुरू की, लगातार डेढ़ महीने क इलाज के बाद आज दोबारा सोनोग्राफी करवाई। गयी तो परिणाम आश्चर्यजनक आये एकमात्र किडनी पूरी तरह से नार्मल पाई गयी। अरुण बाला के लिए डॉ भानु प्रताप सिंह के द्वारा दिया गया होम्योपैथी इलाज वरदान साबित हुआ अब डॉ सिंह ने हजारो रोगी पथरी और बच्चेदानी में गांठ (फिब्रोइड) पिसिओडी से बिना ऑपरेशन के इलाज में सफलता पाई है।

समस्तीपुर हलचल

कुरान ईश्वरीय ग्रन्थ है, इसमें कोई तरमीम मुमकिन नहीं: शैदा बघौनवी

समस्तीपुर। मशहूर शायर व शैदा लाइब्रेरी के सचिव शैदा बघौनवी ने अपने प्रेस बयान में खा है कि वसीम रिजवी का अमल कुरान के विरुद्ध बेहद शर्मनाक और दंडिये जुर्म भी है, उन्होंने अपनी प्रतिकिर्या में आगे कहा कि कुरान मजीद अल्लाह की किताब है, ये किताब आखरी पैगम्बर हजरत मोहम्मद सः पर अवतरित हुआ है, और रहती दुनिया तक इसमें कोई संसोधन या तब्दीली मुमकिन नही।शैदा बघौनवी ने जोड़ देकर कहा कि कुरान की हिफाजत स्वंय अल्लाह ने ले रखी है ये किताब तमाम मानव जाति के लिए प्रकाश और मार्गदर्शन है। बड़ी संख्या में दुनिया भर में लोग इस किताब से मार्गदर्शन लेकर अपने जीवन में उजाला ला रहें है। आखिर में शैदा बघौनवी ने मुस्लिम समुदाय पर टिप्पणी करते हुए कहा कि आज स्वयं मुस्लमान कुरान से दूर हो गया है,और पश्चमी सभ्यता और संस्किर्ति में नई नस्ल को धकेल रहा है, इस विषय पर गम्भीरता से सोच कर अम्ल करने की जरूरत है। वरना हर घर में एक रुश्दी और वसीम रिजवी पैदा हो जायेगा।

चिमनी के रात्रि प्रहरी को अपराधियों ने मारी गोली, हुई मौत, घटना स्थल से कई खोखा बरामद

समस्तीपुर। हसनपुर थाना के तहत वीरपुर गांव स्थित कालिका ईट उद्योग के रात्रि प्रहरी ब्रह्मदेव पासवान को अपराधियों ने सोमवार की देर रात एक बजे गोली मारकर हत्या कर दी, घटना स्थल से लगभग एक दर्जन खोखा पुलिस को मिला है। सूत्रों के अनुसार करीब 6 की संख्या में आये अपराधियों ने प्रहरी के कलेजा, मुँह व हांथ मैंव कई गोली मारी और फायरिंग करते हुए फरार हो गए। गोली की आवाज सुनकर चिमनी पर कार्य कर रहे अन्य मजदूर पहुंचे तो देखा कि ब्रह्मदेव पासवान खून से लथपथ पड़ा हुआ है। जिसके कुछ देर बाद उसकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही प्रभारी थानाध्यक्ष अजित कुमार घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की छानबीन में जूट गए हैं। उन्होंने कहा है की जो भी घटना को अंजाम दिया है उसे बख्शा नहीं जाएगा।

ताजपुर में चलती हुई बुलेट धु-धु कर जले, नकली ईंधन बेचने के विरोध में रोड जाम, कार्यवाई की मांग

संवाददाता/जकी अहमद

समस्तीपुर। समस्तीपुर जिले के नेशनल हाइवे थाना बंगरा क्षेत्र के मुर्गियां चक एन एच 28 पर बीते मंगलवार को नकली पेट्रॉल भरवाने के कारण चलती हुई बुलेट में अचानक आग लग गयी, जिससे बुलेट धु-धु कर जलने लगा। बुलेट पर दो लोग सवार थे,दोनों बाल-बाल बच गए। जलते हुए बुलेट को देखने सैंकड़ो लोग जुट गए। कुछ घंटों के लिए एनएच 28 पर आवागमन भी वाधित रहा। स्थानिए लोगों के प्रयास से आग पर काबू पा लिया गया। मौके पर स्थानिए थाना की पुलिस पहुंचकर जले हुए बुलेट को उठाकर थाने ले गई। बुलेट सवार दोनों की पहचान ताजपुर थाना क्षेत्र के हरपुर भिंडी,वार्ड-10 निवासी संजीव कुमार एवं राजीव कुमार (दोनों भाई) के रूप में की गई है। जानकारी देते हुए दोनों ने बताया कि वे दोनों दरभंगा से घर लौट रहे थे।रास्ते मे बंगरा थाना क्षेत्र के मुर्गियां चक में पेट्रॉल भरवा कर जैसे हीं बुलेट को स्टार्ट किया, बुलेट में आग लग गयी और धु-धु कर जलने लगा। वहीं जानकारी देते हुए सैंकड़ो की भीड़ ने बताया कि बंगरा थाना क्षेत्र में कई जगहों पर नकली डीजल-पेट्रॉल का गोरख धंधा खुलेआम चल रही है। वो भी स्थानिए थाने की देख-रेख में। जहां पेट्रॉल पम्पो पर पेट्रॉल की कीमत लगभग सौ के करीब है, वहीं ये अवैद्ध कारोबारी पेट्रो 50 से 60 रुपये मात्र बेचते हैं। अनजान लोग कम कीमत समझ कर नकली ईंधन तो भड़ा लेते हैं, लेकिन उनकी गाड़ी का दुर्दशा हो जाती है। जिस प्रकार आज नकली पेट्रॉल के कारण बुलेट धु-धु कर जल गई।

रामपुर हलचल

राष्ट्रपति से वसीम रिजवी के खिलाफ मामला दर्ज किये जाने की मांग

संवाददाता/नदीम अख्तर

टाण्डा रामपुर। जमीअत उलेमा के जिला अध्यक्ष पूर्व पालिकाध्यक्ष महमूदुज्जफर रहमानी एडवोकेट ने वसीम रिजवी ने कुरआन करीम की 26 आयतों को कुरआन करीम से हटाये जाने को लेकर सुप्रीम कोर्ट में जो याचिका दायर की गई है वह सरासर गलत तथ्यों पर आधारित है कहा गया है कि शियावक्फ वोर्ड के पूर्व चेयरमैन वसीम द्वारा मुस्लिम समाज की धार्मिक भावनाओं को लेकर ठेस पहुंचाई कुरआन करीम अल्लाह रब्बुल इज्जत की तरफ से आसमानी किताब और मुकम्मल दस्तूर ए हयात है उसमें कयामत तक किसी भी नुक्ते जैर जबर या पेश का इजाफा या तब्दीली नहीं की जा सकती है दुनिया के किसी भी मुल्क जमाअत हुकूमत या अदालत को कुरआन करीम में तब्दीली करने का कोई हक हासिल नहीं है वसीम रिजवी द्वारा मजहबी जज्बात को भड़का कर देश का माहौल खराब कर अमन व शान्ति को बर्बाद कर देना चाहते हैं मुल्क के अमन पसंद लोग किसी भी कीमत पर घिनौनी हरकत को बर्दाश्त नहीं कर सकते गुस्ताखी के अमल की वजह से उन्हें इस्लाम से खारिज किया जा चुका हैं सियासी जमाअत या उनके बड़ो के इशारों पर देश में नफरत और दन्गो का माहौल पैदा करना चाहते हैं भारत के राष्ट्रपति महोदय से वसीम रिजवी के खिलाफ मामला दर्ज किये जाने की मांग की गई है इस मौके पर जिलाध्यक्ष महमूदुज्जफर रहमानी, मौलाना लियाकत अली, मौलाना मु० इरफान मौलाना मु० यामीन, मौलाना जहीरूल इस्लाम, मौलाना शौकत अली, मौलाना मु.फहीम, आदि उपस्थित रहे।

नगर के अन्दर अनेक वार्डो में ई. रिक्शा व पिकअप मारूति वेन आदि रास्तों में जगह जगह खड़ा करके रास्तों को तंग कर दिया गया है

संवाददाता/नदीम अख्तर

टाण्डा रामपुर। नगर के अन्दर अनेक वार्डों में ई.रिक्शा व पिकअप मारूति वेन आदि रास्तों में जगह जगह खड़ा रास्तों को तंग कर दिया गया है रास्ते तंग होने के चलते अन्य वाहनों व पैदल चलने वाले राहगीरों को अनेकों प्रकार की कठिनाइयों के चलते जूझना पड़ता है वाहन स्वामी अपने अपने वाहनों को न० पा० प० द्वारा बनाये गये पार्किंग स्थलों पर आदेशित कर वाहनों को रास्तों से हटाकर पार्किंग स्थल पर खड़े किये जाने के आदेश जारी कर किये जाने की मांग अधिशासी अधिकारी राजेश सिंह राणा से की गई है जिसके चलते अतिक्रमण की समस्या को देखते हुए उन पर नियंत्रण किया जा सके साथ ही नगर के अन्दर अभियान चलाकर रास्तों में खड़े वाहन स्वामियों के विरूद्ध कड़ी एवं कानूनी कार्यवाही अम्ल में लाई जा सके।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

बचपन से ही करें आंखों की, तेज रहेगी नजर !

पहले समय में बढ़ती उम्र के लोगों में आंखों से संबंधी समस्याएं सुनने और देखने को मिलती थी लेकिन आजकल कम उम्र के बच्चों में यह समस्या आम दिख रही है। ऐसा बदलते लाइफस्टाइल और लोगों के खान-पान में बदलाव होने के कारण होता है। बच्चे अपना ज्यादातर समय टी.वी, कंम्यूटर पर आंखें गड़ाए रखते है और पौष्टिक आहार से कोसो दूर रहते हैं। ऐसे में पेरेंट्स को उनकी आंखों की खास देखभाल करने की जरूरत है। अगर बचपन से ही बच्चे की आंखों पर ध्यान दिया जाएं तो आगे चलकर इनसे संबंधित कई तरह की समस्याओं से बचा सकता है।

1. आहार
संतुलित आहार, जिसमें लाल और हरी पत्तेदार सब्जियां जैसे पालक, गाजर, चुकंदर और पीले फल जिसमें शामिल हैं आम, पपीता जो कैरोटीन से भरपूर है जो बच्चों के लिए फायदेमंद होते है।

2. टी.वी देखना
बच्चे को ज्यादा देर तक टी.वी के पास न बैठने दें। टी.वी को अच्छी रोशनी वाले कमरे में रखें और अपने से 3.5 मीटर की दूरी पर इसको रखें।

3. कंम्यूटर का उपयोग
बच्चों को इसका इस्तेमाल विवेकपूर्ण ढ़ंग से करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए ताकि आंखें थके नहीं। कंम्यूटर की स्क्रीन आंख के स्तर से नीचे होनी चाहिए, जिससे आंखों की रोशनी बनी रहती है और थकावट दूर रहती है।

4. आंखों को बार-बार हाथ लगाना
स्कूली बच्चों में एलर्जिक कंजंक्टिवाइटिस होता है इसलिए बच्चों को आंखों को बार-बार पोछने से मना करना चाहिए।

5. नियमित अन्तराल
पढ़ने, कंम्यूटर पर कार्य करने और ऐसे ही अन्य आंखों से होने वाले कार्यों के लिए नियमित अंतर बनाए रखें।

आप भी लेते हैं हॉट शॉवर, हो जाएं सावधान!

कुछ लोग सर्दी की शुरूआत से ही गर्म पानी से नहाना शुरू कर देते हैं। गर्म पानी से नहाना हर किसी को पसंद होता है क्योंकि इससे मांसपेशियां की अकड़ कम होती है। गर्म पानी से नहाने से जहां ठंड से राहत मिलती है वहीं इससे कई समस्याएं भी पैदा होती है। यह त्वचा और बालों को नुकसान पहुंचाता है इसलिए सर्दियों में हॉट शावर अधिक समय तक न लें। जैसे-जैसे सर्दी बढ़ती है लोग गर्म पानी का इस्तेमाल अधिक करने लगते हैं। इसी के साथ लोग अधिक गर्म पानी से नहाना पसंद करते हैं, जिससे त्वचा को नुकसान पहुंचता है। दरअसल, अधिक गर्म पानी से नहाने से शरीर की ऊपरी सतह पर मौजूद ऑयली परत हट जाती है। ये सतह हमारी त्वचा के लिए बहुत जरूरी है, क्योंकि यह त्वचा में होने वाले दूसरे संक्रमण से बचाव करती है। इस लेयर के हटने के बाद त्वचा के संक्रमण होने की संभावना बढ़ जाती है। अधिक समय तक हॉट शावर लेने से कई बार चेहरे और होंठों पर सूजन भी आ जाती है।

घर पर ही करें हार्मोंस बैलेंस

हेल्दी रहने के लिए हेल्दी लाइफस्टाइल जरूरी है,हार्मोंस के असंतुलन से हेल्दी लाइफस्टाइल के बावजूद वजन बढ़ सकता है। हमारी भूख, नींद,मूड से लेकर सेक्स लाइफ तक हार्मोंस द्वारा प्रभावित होती है।ऐसे में जब भी हार्मोंस का असंतुलन होता है, तो इससे शरीर को हर वक्त थकान महसूस होती रहती है। इंफर्टिलिटी,पाचन से जुड़ी समस्याएं और कई मानसिक समस्याएं भी हार्मोंस में बदलाव के कारण होती हैं।हमारा स्वास्थ्य बिगड़ता है तो हमारे शरीर में बहुत जरूरी है कि हार्मोंस का संतुलन बना रहे, ताकि हम हमेशा स्वस्थ और फिट रहें। ऐसे में कुछ घरेलू तरीके अपनाकर आप अपने हार्मोंस को बैलेंस रख सकते है....

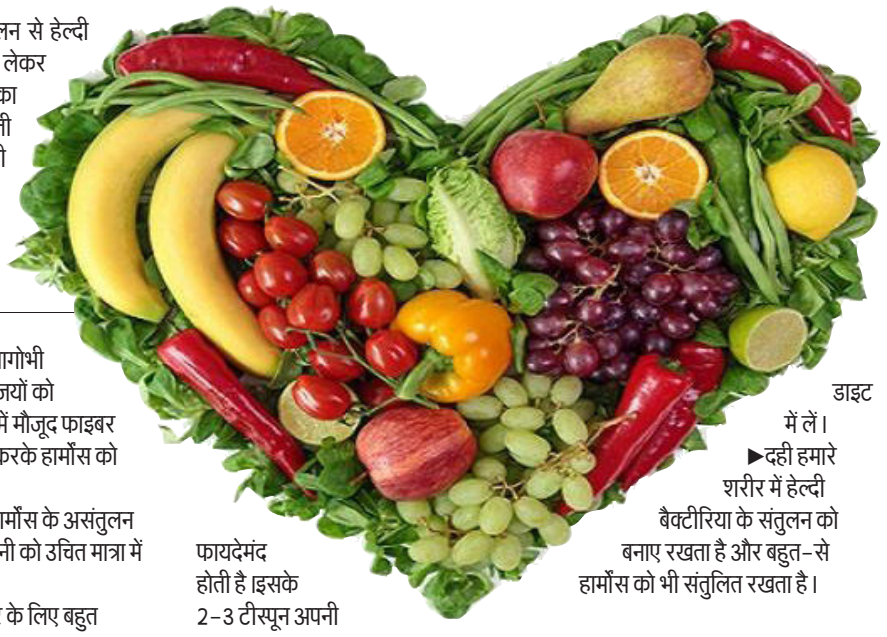

▶अपनी डाइट में कैफीन की मात्रा को कम करें।चाय-कॉफी को सीमित मात्रा में ही लें।

▶ नारियल तेल को अपने डायट में शामिल करें। यह हार्मोंस के संतुलन करने में मदद करता है। यह वजन को भी नियंत्रित करता है।

▶योग व प्राणायाम को अपनी दिनचर्या में शामिल करें।आप वॉकिंग और जॉगिंग भी कर सकते हैं।

▶ गाजर,ब्रोकोली, पत्तागोभी व फूलगोभी जैसी सब्जियों को अपनी डाइट में लें।इनमें मौजूद फाइबर टॉक्सिन्स को कंट्रोल करके हार्मोंस को बैलेंस करता है।

▶ पानी की कमी भी हार्मोंस के असंतुलन का कारण बनती है।पानी को उचित मात्रा में पीएं।

▶ अलसी हमारे शरीर के लिए बहुत फायदेमंद होती है।इसके 2-3 टीस्पून अपनी डाइट में लें।

▶दही हमारे शरीर में हेल्दी बैक्टीरिया के संतुलन को बनाए रखता है और बहुत-से हार्मोंस को भी संतुलित रखता है।

पति बनने से पहले छोड़ दे अपनी ये 6 आदतें

लड़के खुले मिजाज के होते हैं जो बिना किसी रोक-टोक के कहीं भी घूम सकते हैं, किसी के साथ भी दोस्ती कर सकते हैं। उन्हें किसी की परवाह नहीं होती लेकिन ऐसा शादी के पहले तो ठीक है। जब शादी हो जाएं तो इनको अपनी इन आदतों में बदलाव करना पड़ता हैं क्योंकि शादी का अनुभव हर एक व्यक्ति के जीवन में कोई न कोई बदलाव जरूर लाता हैं। कुवारेंपन की जिंदगी की तरह ही शादीशुदा जिंदगी को जीना लड़कों और लड़कियों के जीवन में कठिनाईयां आ सकती हैं। इसलिए अपने इस नए शादीशुदा रिश्ते को खुशहाल और निरुत्साहित होने से बचाने के लिए अपने कुंवारेपन की कुछ आदतों को बदल लें। आज हम आपको कुछ ऐसी चीजों के बारे में बताएं जिन्हें आपको पति बनने से पहले ही छोड़ देना चाहिए।

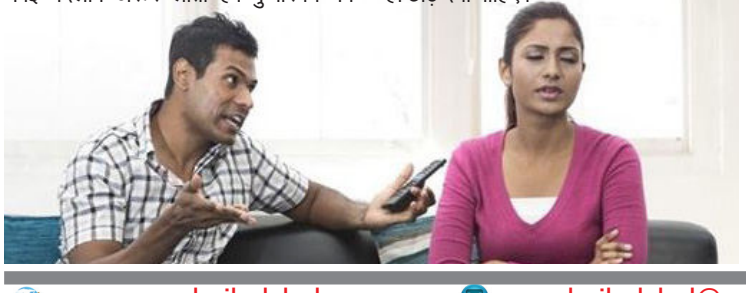

चाबियों और मोजों पर ध्यान
सभी पत्नियां चाहती हैं कि उनका पति जिम्मेदार हो। अपनी सभी चीजों का ध्यान रखें। छोटी-छोटी चीज के लिए मुझ पर निर्भर न हो। अगर आप अपनी इन छोटी जिम्मेदारी को पूरा करेंगे तो पत्नी आपकी तारीफ करेंगी।

स्पोर्ट्स और वीडियो गेम्स
कुछ मर्दों की आदत होती हैं, काम से वापस आकर टी. वी. या गेम्स खेलने में व्यस्त रहना। मर्दों को अपनी इस आदत को पति बनने से पहले छोड़ दोना चाहिए क्योंकि पत्नियां चाहती है कि आप उनकी तरफ ज्यादा ध्यान दें।

दोस्तों के साथ अधिक समय बिताना
शादी के बाद कभी-कभार दोस्तों के साथ घूमने पर पत्नी गुस्सा नहीं करती लेकिन अगर आप रोज-रोज अपना खाली समय अपनी बीवी के साथ न बिताकर, दोस्तों के साथ व्यस्त रहते है तो इससे आपके रिश्ते में मन-मिटाव आ सकता है।

घर को फैलाना बंद करें
शादी के बाद अपने तौलिये से लेकर आपकी गंदी टी शर्ट को पलंग पर फैलाकर रखना बंद कर दें। चीजों को बिखेरने के बजाएं पत्नी के साथ मिलकर घर की साफ-सफाई करें ।

घर को रेस्टारेंट न समझें
आपकी पत्नी आपके घर की कुक या वेटर नहीं है। वह दिन भर आपके घर के काम करने और आपको खाना परोसने के लिए नहीं आई है। इसलिए उसे ऑडर देने के बजाएं उसकी मदद करें।

लड़कों के तरफ की बात करना
शादी के बाद पत्नी ही आपकी अच्छी दोस्त होती है लेकिन फिर भी आप पूरा समय लड़कों की तरफदारी करने में लगे रहते है तो अपनी इस आदत को बदल दें।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

वरुण के साथ फिल्म 'सनकी' में नजर आ सकती हैं परिणीति

बॉलीवुड एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा इन दिनों अपनी शानदार एक्टिंग से सभी का दिल जीत रही हैं। हाल ही में उनकी फिल्म 'द गर्ल ऑन द ट्रेन' रिलीज हुई है। इसके अलावा उनकी फिल्म 'साइना' रिलीज होने वाली हैं। अब एक और फिल्म से परिणीति का नाम जुड़ गया है। खबर आ रही है कि परिणीति चोपड़ा अभिनेता वरुण धवन के साथ एक्शन थ्रिलर फिल्म 'सनकी' में नजर आ सकती हैं। इससे पहले वरुण और परिणीति को कभी भी एक साथ फिल्मों में मुख्य भूमिका में नहीं देखा गया है। बताया जा रहा है कि साजिद नाडियावाला की प्रोडक्शन में बन रही इस फिल्म में वरुण के साथ परिणीति नजर आ सकती हैं। फिल्म से जुड़े सूत्र ने बताया, फिल्म में परिणीति को कास्ट करने पर विचार किया जा रहा है। 'सनकी' एक एक्शन थ्रिलर फिल्म है, जो किसी फिल्म का रीमेक है। हालांकि, इसकी जानकारी नहीं है कि यह किस फिल्म की रीमेक होगी। इस फिल्म में वरुण मुख्य भूमिका में नजर आने वाले हैं। वरुण और परिणीति स्क्रीन पर एक फ्रेश जोड़ी के रूप में नजर आएंगे। इससे पहले दोनों एक साथ किसी फिल्म में लीड रोल में नहीं नजर आए हैं। फिलहाल फिल्म में दोनों कलाकारों की कास्टिंग को लेकर बातचीत चल रही है। अभी इस संबंध में कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।

सनी देओल-अमीषा पटेल की धांसू फिल्म 'गदर' का बनेगा सीक्वल?

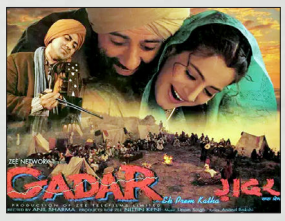

साल 2001 में सनी देओल, अमीषा पटेल और अमरीश पुरी की मुख्य भूमिकाओं वाली फिल्म 'गदर: एक प्रेम कथा' रिलीज हुई थी। इस फिल्म को आज भी काफी पसंद किया जाता है। इस फिल्म की पॉप्युलैरिटी का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि जिस साल यह रिलीज हुई थी उसमें यह सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म थी। पिछले काफी समय से इस फिल्म के सीक्वल के बारे में खबरें आती रहती हैं। अब इस पर डायरेक्टर अनिल शर्मा ने अपनी चुप्पी तोड़ी है। खबर के मुताबिक, 'गदर' के मेकर्स इस समय बनने वाले सीक्वल को दिमाग रमें रखकर प्लॉट और स्क्रिप्ट पर काम कर रहे हैं। खबर है कि सीक्वल में भी सनी देओल और अमीषा पटेल मुख्य भूमिका में होंगे। साथ ही डायरेक्टर अनिल शर्मा के बेटे उत्कर्ष भी इसमें लीड रोल में दिखाई देंगे। उत्कर्ष ने ही फिल्म में सनी और अमीषा के बेटे जीता की भूमिका मिभाई थी। उत्कर्ष पहले ही साल 2018 में फिल्म 'जीनियस' से बॉलिवुड में डेब्यू कर चुके हैं। डायरेक्टर अनिल शर्मा ने 'गदर' के सीक्वल की खबरों को कन्फर्म किया है मगर इसकी ऑफिशल घोषणा सही वक्त आने पर ही की जाएगी।

इस वजह से अजय देवगन और राजामौली के बीच हुआ मनमुटाव!

बॉलीवुड एक्टर अजय देवगन और मशहूर साउथ निर्देशक एसएस राजामौली के बीच रिश्ते कुछ ठीक नहीं चल रहे हैं। बता दें कि इन दोनों के बीच अनबन की खबरें सामने आ रही है। अजय देवगन और राजामौली के बीच अनबन का कारण इन दोनों की अगली रिलीज होने वाली फिल्में है। गौरतलब है कि कुछ समय पहले ही राजामौली ने अपनी फिल्म आरआरआर की रिलीज डेट का ऐलान किया था। जिसमे उन्होंने बताया कि फिल्म आरआरआर इसी साल 13 अक्टूबर को देशभर के सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म की इस रिलीज डेट के ऐलान के साथ ही दोनों के बीच अनबन पैदा हो गई। बता दें कि अजय देवगन की फिल्म 'मैदान' भी इसी साल 15 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। यानी राजामौली की फिल्म आरआरआर मैदान से दो दिन पहले रिलीज की जा रही है। जबकि मैदान के मेकर्स ने फिल्म की रिलीज का ऐलान काफी समय पहले कर दिया था।